

## **Kashi Naresh Institute Innovation Council and ARIIA**

### **Year 2020-2022**

Institute Innovation Council established at our Institution in the year 2018-19 is always committed to inculcate Innovation and Entrepreneurship culture in the campus. For this purpose under the aegis of Innovation cell of Ministry of Education, Government of India a number of workshop, online sessions and celebration day activities are organized. Here are the detailed list of activities organized in the session 2020-21 and 2021-22.

<b>S. No.</b>	<b>Name of the activity</b>	<b>Speaker</b>	<b>Date</b>	<b>No. of students and faculty members participated</b>
1.	Webinar on Provisions for Innovation and Startups in new education policy	Dr. Raj Singh	12/29/2020	88
2.	Webinar on National Innovation and Startup Policy	IIC, KNPG	27/12/2020	70
3.	Establishment and Functioning of IIC in Colleges	IIC, KNPG	08/11/20	35 representatives from different Govt. colleges
4.	Indian Knowledge system	MIC, MHRD	03/11/20	72
5.	Workshop on Design Thinking, Critical Thinking and Innovation design	Prof. Karthik Nagarajan Department of Civil Engineering Pillai HOC College of Engineering and Technology	08.03.2022 to 08.03.2022	115
6.	Webinar on Innovation and Entrepreneurial Ecosystem		26.10.2021- 26.10.2021	75
7.	Webinar on Entrepreneurship Skill, Attitude and Behavior Development	Dr. Sitanshu Sekhar Das Assistant Professor Indian Institute of Management Shillong, Meghalaya, India	12.03.2022	150
8.	Workshop on Achieving problem-solution fit and product-market fit	Dr. Anuj Kumar Goel Professor of Electronics and Communication Engineering University Institute of Engineering Chandigarh University, Punjab	09.03.2022	80
9.	World Intellectual Property Day	Dr. Bharat Kumar Examiner of Patents & Designs Chemical Division Patent Office, Mumbai, India	26.04.2022	55
10.	National Science Day	IIC, KNPG	28.02.2022	102
11.	National Pollution Control Day	IIC, KNPG	02.12.2021	105
12.	National Education Day	IIC, KNPG	11.11.2021	95
13.	National Energy Conservation Day	IIC, KNPG	14.12.2021	75

As we are implementing the New education policy from 2021-22, a session on NEP organized under the aegis of IIC Driven activities throw a light on the orientation of curricula towards innovation and start-up. The important points that were discussed are as follows-

1. NEP enables students to be industry ready at a much earlier age. Undertaking industrial taking and internship while still in school enrich students in term of not just industry –specific skill but life skill as well.
2. Creativity, innovation and entrepreneurship remain at the heart of the Policy.
3. A multi-disciplinary approach that eases the divide between arts, science and technical colleges is a welcome move to prepare students for jobs in the future.
4. The focus of the framework is to allow flexibility to students to select their field of study that aligns with their area of interest.
5. Creativity, innovation and entrepreneurship remain at the heart of the Policy.
6. A multi-disciplinary approach that eases the divide between arts, science and technical colleges is a welcome move to prepare students for jobs in the future.
7. The focus of the framework is to allow flexibility to students to select their field of study that aligns with their area of interest.

Every year IIC organizes a field visit for students in nearby areas so that they can identify local problems as well as get their innovative solutions. This year the field visit was made on 11<sup>th</sup> December 2021 where the student and faculty visited the nearby market and rural area and interacted with different peoples. Students asked question from roadside bookstaller and made a discussion about raising price of papers. They asked questions from Mahila Police that if they face any problem in communicating messages from crime scene to their nearby police station. They asked questions from shopkeeper that what challenges they faces during Covid period.

In the year 2021-22, the four Innovation ambassador namely **Dr. Rashmi Singh, Dr. Mahendra Tripathi, Dr. Suman Gupta and Dr. Jai Singh Yadav** completed the advance level training of Innovation Ambassador organized by Innovation cell of Ministry of education.

In the year 2021-22, our IIC also **mentors the different colleges for establishment of IIC** at their Institute. IQAC of Chandrakanti Ramavati Devi Arya Mahila P.G college, Gorakhpur organized an online session on Nurturing Innovation and Entrepreneurship culture in HEI'S through Institute Innovation Council on 01 May 2022. Dr. Rashmi Singh was the speaker of that programme.

From the session 2021-22, Innovation Cell, MHRD also given responsibility to celebrate different important days. In this order our KNIIC celebrated National Education Day, National Pollution control Day, National Science Day, World IPR Day and World Environment Day. These celebration activities enhances the critical thinking of students.

During the annual ranking of IICs, our KNIIC received **3.5 Star rating** by Ministry of Innovation Cell in the year 2020-21. The star rating for the year 2021-22 is still to be announced. The efforts made through KNIIC is recognized by Atal Ranking of Institutions on Innovation Achievements as our college got **Performer Band** in ARIIA.

# नई शिक्षा नीति समाधान व रोजगार को करती है प्रेरित

**ज्ञानपुर।** नगर स्थित काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रविवार को आईआईसी प्रकोष्ठ की ओर से औरिएंटेशन सत्र का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस दौरान नवप्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा चयनित महाविद्यालय के इन्वोवेशन अम्बेसडर्स ने विद्यार्थियों व प्राध्यापकों के साथ नवोन्मेष व स्टार्टअप से जुड़े विचारों को प्रस्तुत किया। प्राचार्य डा. पीएन डोंगरे ने कहा कि आज समय में आधुनिक शिक्षा बेहद ही जरूरी है। इससे जुड़कर विद्यार्थियों को रोजगार, स्वरोजगार आदि के बारे में जानकारी मिलती है। डा. जय सिंह यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति चुनौतियों से निपटने के बारे में जानकारी देती है। कहा कि रोजगार सृजन की चुनौतियों के समाधान के लिए नवोन्मेष औरिएंटेट पाठ्यक्रम व प्रारूप को सम्मिलित किया गया है। डा. महेन्द्र त्रिपाठी ने राष्ट्रीय नवोन्मेष व स्टार्टअप पालिसी की महत्वपूर्ण विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। डा. कल्पना अवस्थी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अपशिष्ट चीजों के समुचित प्रबंधन की और अधिक आवश्यकता है।

# भ्रमण कर छात्र-छात्राओं ने समझी और सुनीं समस्या



**ज्ञानपुर।** काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रविवार को दो सत्रों में ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान गुरुजनों ने आधुनिक शिक्षा को लेकर मंथन किया। साथ ही व्यापार, रोजगार व पेटेंट को लेकर विचार रखे गए। पहले सत्र की मुख्य वक्ता स्वर्णिम वृनिवर्सिटी फॉर इन्वोवेशन, गांधीनगर गुजरात की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. निवेदिता द्विवेदी ने 'बिल्डिंग एन इन्वोवेशन प्रोडक्ट फिट फार मार्केट' विषय पर ओला व टेस्ला जैसी महत्वपूर्ण बिजनेस कंपनियों के बाजार स्ट्रेटजी का उदाहरण देकर यह बताने का प्रयास किया कि किस प्रकार एक इन्वेंटर को पहले अपने आइडिया के साथ मार्केट रिसर्च करना जरूरी होता है। स्टार्टअप के फेल होने का कारण उनके बाजार जरूरत का न होना होता है। दूसरे सत्र में आयोजित इटलेक्चुअल प्रापर्टी राईट्स एंड जामरण संवाददाता ज्ञानपुर (भदोही) : ईस्टीमेटेड इन्वोवेशन कार्डसिल (केएनआईआईसी) के अंतर्गत शनिवार को काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर की टीम को क्षेत्र का भ्रमण कराया गया। रोजमर्रा की जिंदगी में महसूस की जाने वाली समस्या को पहचानने के लिए कुछ के उद्देश्य से क्रम के जरिए ाँ से मिलाकर सल की गई। नवप्रवर्तन परिषद की प्रभारी डा. रश्मि सिंह के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं, दुकानदारों महिला पुलिस कर्मियों से बातचीत की। उनकी समस्याओं को जाना। प्राचार्य डा. पीएन डोंगरे ने भी भ्रमण करते हुए छात्र-छात्राओं के साथ जुड़कर उन्हें नवाचार के बारे में समझाने का प्रयास किया। आयोजक डा. अजहरुद्दीन अंसारी, डा. विपुल कुमार, डा. रवि यादव ने विद्यार्थियों को नए विचार एकत्रित करने के लिए प्रेरित किया।

# पेटेंट के मामले में देश का पिछड़ना चिंता का विषय

**ज्ञानपुर | संवाददाता**  
आईपी मैनेजमेंट विषय पर अपने सम्बोधन में जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर एचबी सिंह ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार न केवल स्टार्टअप बल्कि किसी भी डिजाइनकर्ता, लेखक या नवी प्रविधि के अन्वेषक के लिए आवश्यक है। बुद्धि के माध्यम से नई सोच या प्रविधि के कारण जो संपदा सृजित होती है, उस पर उसके सृजनकर्ता को अधिकार प्रदान करने हेतु बौद्धिक संपदा अधिकार का विश्वव्यापी प्रावधान बनाया गया है। पेटेंट, कॉपीराइट, इंटेलेक्टुअल डिजाइन, ट्रेडमार्क, या भौगोलिक संकेतक आदि की चर्चा करते हुए कहा कि आईपीआर एक व्यवसाय जैसा है। इसलिए इसके प्रबंधन की बारीकियां जानना बहुत जरूरी है। कहा कि भारत पेटेंट के मामले में अंतर्राष्ट्रीय तुलना में बहुत पीछे है। चीन हमसे बहुत आगे है और सम्पूर्ण विश्व में पेटेंट की होड़ मची है। अकेले मोबाइल के लगभग ढाई लाख पेटेंट हैं।

# स्वच्छ पर्यावरण के लिए वृक्षों की संख्या बढ़ाना आवश्यक

**ज्ञानपुर संवाददाता, ज्ञानपुर (भदोही)**  
: स्वच्छ व संतुलित पर्यावरण के लिए वृक्ष इस धरा पर एक हस्ताक्षर हैं। हमें इनको लगातार बढ़ाते रहना चाहिए। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के नवप्रवर्तन परिषद के तत्वावधान में गुरुवार को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के मौके पर ई-लाइब्रेरी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रख्यात वनस्पति शास्त्री प्रो. एनबी सिंह ने यह बातें कहीं। जल, वायु, जमीन से जुड़े पर्यावरण के विभिन्न मुद्दों सहित बी ग्रीन, बाई ग्रीन का उल्लेख करते हुए पर्यावरणीय प्रदूषण के प्रति आगाह भी किया। उन्होंने कहा कि गंगा की सफाई उतनी महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि गंगा को दूषित न करना है। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी गोखपुर-बस्ती मंडल, डा. अश्विनी कुमार मिश्र ने कहा कि परंपराएं सही हो सकती हैं लेकिन उनका अंधविश्वास में बदल जाना उचित नहीं है। पर्यावरण को दूषित करने



केएनपीजी कालेज में राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर आयोजित गोष्ठी में विचार प्रस्तुत करते डा. अश्विनी कुमार मिश्र। ● जागरण

## कानरा महाविद्यालय राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर आयोजित हुई संगोष्ठी

● **प्रदूषण को समस्या का व्यवहारिक हत खोजने की जरूरत**

की आवश्यकता पर जोर दिया। राजकीय महाविद्यालय बलरामपुर के पूर्व प्राचार्य डा. कमाल अहमद सिद्दीकी ने बताया कि केवल गिनती के लिए ही पौधारोपण ठीक नहीं है। इन्हें बचाने का प्रयास होना चाहिए। नव प्रवर्तन परिषद की अध्यक्ष डा. रश्मि सिंह, उपाध्यक्ष डा. कल्पना अवस्थी सहित अन्य प्राध्यापक थे। आभार डा. रवि यादव ने जताया।

# सफल स्टार्टअप के लिए विश्वसनीय सहयोगी, संसाधन की अहम भूमिका

वेबिनार में आए स्टार्टअप से जुड़े विचार, आईसीसी प्रकोष्ठ की ओर से औरिएंटल सत्र का आयोजन

## संवाद न्यूज एजेंसी

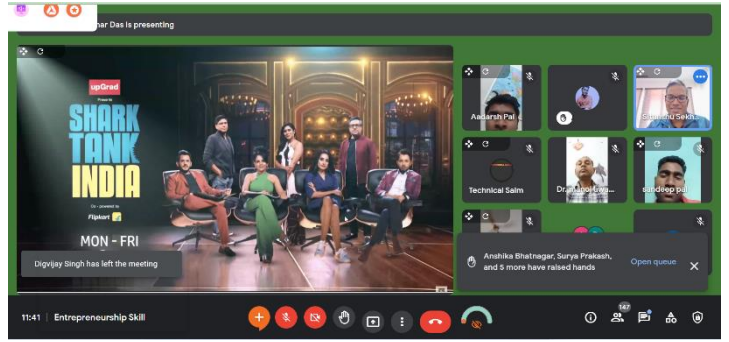
**ज्ञानपुर।** काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आईआईसी प्रकोष्ठ की ओर से रविवार को औरिएंटल सत्र का ऑनलाइन आयोजन हुआ। इसमें शिक्षा मंत्रालय के नवप्रवर्तन प्रकोष्ठ की ओर से चयनित महाविद्यालय के इन्वोवेशन एम्बेसडर्स ने विद्यार्थियों संग प्राध्यापकों के साथ नवोन्मेष और स्टार्टअप से जुड़े विचार प्रस्तुत किए। वक्ता ने कहा कि एक सफल स्टार्टअप के लिए विश्वसनीय सहयोगी, व्यापार से जुड़ी गतिविधियों, मुख्य संसाधन, उपभोग्यता अभिमुखी संकेत व मूल्यों का महत्व के साथ ही लागत संरचना को

## रोजगार सृजन की चुनौतियों के समाधान को नवोन्मेष औरिएंटेट पाठ्यक्रम बने

महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप नारायण डोंगरे की अनुमति से सत्र की शुरुआत में डॉ. जयसिंह यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इकोसिस्टी सदी की चुनौतियों से निपटने के बारे में बताया। कहा कि रोजगार सृजन की चुनौतियों के समाधान के लिए नवोन्मेष औरिएंटेट पाठ्यक्रम और प्रारूप को सम्मिलित किया गया है। डॉ. महेन्द्र त्रिपाठी ने राष्ट्रीय नवोन्मेष और स्टार्टअप पालिसी की

महत्वपूर्ण विशेषताओं के संदर्भ में बताया कि उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों संग प्राध्यापकों के मध्य एक ऐसा फ्रेमवर्क बनाया गया है ताकि संस्थानों में स्टार्टअप और इंटरप्रेन्योरशिप का एक वातावरण सृजित हो सके। स्टार्टअप पर कार्य करने वाले विद्यार्थियों को अवकाश बैंक और अतिरिक्त क्रेडिट देने की व्यवस्था है। संस्थान अपने कुल वार्षिक बजट का कम से कम एक फीसदी धनराशि से इन्वोवेशन फंड बनाने का प्रावधान है। डॉ. कल्पना अवस्थी ने प्रीद्योगी नवोन्मेष की धारणा को स्पष्ट किया और कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अपशिष्ट चीजों के समुचित प्रबंधन की और अधिक आवश्यकता है। डॉ. सुमन गुप्ता ने प्रोटोटाइप की चर्चा करते हुए उसके विकास क्रम को रखा। सत्र के अंत में महाविद्यालय की नवोन्मेष परिषद की अध्यक्ष डा. रश्मि सिंह ने बिजनेस मॉडल केनवास की चर्चा करते हुए बताया कि इसमें नौ ब्लॉक होते हैं। उन्होंने बताया कि एक सफल स्टार्टअप के लिए विश्वसनीय सहयोगी, व्यापार से जुड़ी गतिविधियां, मुख्य संसाधन, उपभोग्यता अभिमुखी संकेत व मूल्यों का महत्व के साथ ही लागत संरचना की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्र में डॉ.शुभा श्रीवास्तव, डॉ.रोशन प्रसाद, डॉ.संजय कुमार, डॉ.प्रतीक उपाध्याय, डॉ.इंसेश भारती, डॉ.सर्वशानन्द, डॉ. सरिता कुमार आदि रहे।

# KNIC Photo Gallery



Latitude: 25.331763  
Longitude: 82.465961  
Elevation: 23.3811 m  
Accuracy: 13.9 m  
Time: 11-01-2022 15:36  
Note: IIC 2nd quarter meeting

Latitude: 25.331788  
Longitude: 82.466404  
Elevation: 90.08±1 m  
Accuracy: 74.6 m  
Time: 04-06-2022 11:56  
Note: World Environment day

Latitude: 25.332083  
Longitude: 82.466334  
Elevation: 46.2348 m  
Accuracy: 65.5 m  
Time: 01-11-2021 14:07  
Note: Institute Innovation C

# Achievements

